Total No. of Printed Pages—4

5 SEM TDC HINH (CBCS) C 11

2025

(Nov/Dec)

HINDI

(Core)

Paper : C–11

(हिन्दी नाटक एवं एकांकी)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) भारतेन्दुकृत 'अंधेर नगरी' किस विधा की रचना है?

(ख) 'अंधेर नगरी' में महंत के शिष्य का नाम क्या है?

(ग) 'स्कंदगुप्त' नाटक के नाटककार कौन हैं?

(घ) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक किसकी जीवनी पर आधारित है?

(ङ) 'और वह जा न सकी' नाटक है या एकांकी?

(च) 'विषकन्या' किसकी रचना है?

(छ) 'औरंगज़ेब की आखिरी रात' एकांकी के प्रमुख स्त्री-पात्र का नाम क्या है?

(ज) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की नायिका का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3=24

(क) "टके के वास्ते धर्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचे, टके के वास्ते झूठी गवाही दे। टके के वास्ते पाप को पुण्य माने। टके के वास्ते नीच को भी पितामह बनावे। वेद, धर्म, कुल-मर्यादा, सच्चाई बड़ाई सब टके सेर।"

अथवा

"आज के अधिकांश धार्मिक ठेकेदारों का जीवन-दर्शन भी गोवर्धनदास जैसा है... माना कि देश बहुत बुरा है। पर अपना क्या? अपने किसी राज-काज में थोड़े हैं कि कुछ डर है, रोज मिठाई चाभना, मजे में आनंद से राम भजन करना।"

(ख) "देवसेना! समष्टि में भी व्यष्टि रहती है, व्यक्तियों से ही जाति बनती है। बहिष्कार हो?"

अथवा

"अधिकार सुख कितना मादक और सराहनीय है। अपने को नियामक और कर्ता समझने की बलवती स्पृहा उससे बेगार कराती है। उत्सवों में परिचायक और अस्त्रों में ढाल से भी अधिकार लोलुप मनुष्य क्या अच्छे हैं?"

(ग) "जब तुमने अपनी सारी सत्ता मेरे चरणों पर रख दी, तो क्या तुम्हें अपनी ठोकर बनाता? नहीं-नहीं तुम्हारा हाथ पकड़ा, तुम्हें अपने हृदय का हार बनाने के अतिरिक्त और कोई दूसरा मार्ग ही नहीं।"

अथवा

"तुम जिसे भावना कहती हो वह केवल छलना और आत्म-प्रवंचना है। ...भावना में भावना का वरण किया है। ...मैं पूछती हूँ भावना में भावना का वरण क्या होता है? उससे जीवन की आवश्यकताएँ किस तरह पूरी होती हैं?"

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×4=48

(क) भारतेन्दु ने 'अंधेर नगरी' के माध्यम से समाज और राजनीति की किन विसंगतियों पर प्रहार किया है? विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ख) 'स्कंदगुप्त' नाटक के आधार पर स्कंदगुप्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) नाटकीय तत्त्वों के आधार पर 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में प्रेम और कर्तव्य के द्वंद्वों का विवेचन कीजिए।

(ङ) 'स्कंदगुप्त' नाटक में राष्ट्रप्रेम और त्याग की भावना किस प्रकार प्रकट होती है? पठित पाठ के आधार पर इसका विवेचन कीजिए।

(च) एकांकी तत्त्वों के आधार पर 'औरंगज़ेब की आखिरी रात' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

(छ) 'और वह जा न सकी' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ज) 'विषकन्या' एकांकी के आधार पर अपराजिता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

★★★